Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 13-03-2007

Participants : Rijiju Shri Kiren

>

Title: Reported incidents of killings of colleagues and senior officers in Armed Forces.

श्री कीरेन रिजीजू (अरूणाचल पश्चिम) : सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अभी हाल में एक न्यूज रिपोर्ट सब लोगों ने देखी होगी कि बार-बार इंडियन आर्मी, पुलिस, सीआईएसएफ, नेवी और बहुत सारी आर्म्स फोर्सेज में एक दूसरे को मारने की घटनाएं हो रही हैं। यदि देश के सुरक्षा कर्मी आपस में भिड़ते रहेंगे, तो देश की सुरक्षा कैसे ठीक होगी? इसलिए मेरा कहना है कि इस मूल बात को हमें समझना होगा। आज एक सिपाही की जो तन्ख्वाह है, उसको जो सुविधा मिल रही है, उससे उसका गुजारा नहीं हो पाता। इस कारण उसे मानसिक तनाव रहता है। इस मानसिक तनाव के कारण वह अपनी ड्यूटी ठीक से नहीं कर पा रहा है। मैं इस गंभीर बात को समझते हुए सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि पुलिस फोर्स, आर्मी और जितनी भी पैरामिलिट्री फोर्सेज है, उनके लिए स्पेशल प्रावधान और पैकेज की घोाणा होनी चाहिए। इसके साथ-साथ उनकी तन्ख्वाह में भी बढ़ोत्तरी होनी चाहिए। यदि जरूरत पड़े तो हम सांसदों और अधिकारियों की तन्खवाह काट देनी चाहिए, मगर जो सिपाही अपनी जान देकर देश और हम सबकी रक्षा करते हैं, उनका हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए। इसके साथ-साथ जंगलों में जो आर्म्ड फोर्सेज या पुलिस के सिपाही किसी आपरेशन में लगे हुए हैं, उनको सरकार की तरफ से स्पेशल केयर और पैकेज देना चाहिए। बहुत-बहुत धन्यवाद।